बी.ए. प्रथमवर्ष, परीक्षा-२०१६

लोकसंगीत

प्रथम प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-75 न्यूनांक-25**

टीपः- प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

+++

इकाई-I 1. लोक संस्कृति का अर्थ स्पष्ट करते हुए छत्तीसगढ़ी संस्कृति पर सारगर्भित निबंध लिखिये ।

अथवा

"लोकसंगीत प्रकृति की गोद में विकसित होता है ।" इस कथन की पुष्टि कीजिये ।

इकाई-II 2. लोकसंगीत क्या है ? परिभाषित करते हुए उसके प्रकारों का वर्णन कीजिये ।

अथवा

लोककला का अर्थ एवं परिभाषा देते हुए छत्तीसगढ़ की किसी एक लोककला पर संक्षिप्त टिप्पणी दीजिये ।

इकाई-III 3. लोककथा का सामान्य परिचय देते हुए अपने प्रदेश की किसी एक लोककथा को लिखिये ।

अथवा

लोकोक्ति का आशय स्पष्ट करते हुए किन्हीं दस लोकोक्तियों का अर्थ सहित वाक्य में प्रयोग कीजिये ।

इकाई-IV 4. निम्नलिखित में से किसी एक लोककलाकार का जीवन परिचय लिखियेः-

अ- पद्मश्री गोविन्द निर्मलकर ब- श्री देवदास बंजारे
स- श्री गोविन्द राम झारा

अथवा

लोकगाथा से आप क्या समझते हैं ? छत्तीसगढ़ की किसी एक लोकगाथा पर सारगर्भित विचार प्रस्तुत कीजिये ।

2/-

इकाई-V 5. 'लोकसंगीत की आंचलिक शैलियाँ लोकसमाज की रीढ़ है ।' इस कथन से आप कितने सहमत हैं ? स्पष्ट कीजिये ।

अथवा

लोकनाट्य का परिचय देते हुए 'नाचा' में 'विदूषक' अथवा 'परी' की भूमिका को स्पष्ट कीजिये ।

xx

बी.ए. प्रथमवर्ष, परीक्षा-२०१६

लोकसंगीत

द्वितीय प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-75 न्यूनांक-25**

टीपः- कोई पांच प्रश्न हल कीजिये । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।

+++

इकाई-I 1. स्वर, सप्तक एवं अलंकार को परिभाषित करते हुए कोई 06 अलंकार लिखिये ।

अथवा

निम्नलिखित का सामान्य परिचय दीजियेः-
ताल, सम, ताली-खाली, लय, विभाग

इकाई-II 2. लोकवाद्य 'मांदर' के महत्व को समझाते हुए सचित्र वर्णन कीजिये ।

अथवा

वाद्य वर्गीकरण की सामान्य जानकारी देते हुए अपने प्रदेश के कोई दो लोकवाद्यों का वर्णन कीजिये ।

इकाई-III 3. छत्तीसगढ़ के किसी एक लोकनृत्य का साज-सज्जा एवं वेशभूषा के आधार पर परिचय दीजिये ।

अथवा

"लोकजीवन में अनुष्ठानिक पर्वों का महत्व" इस विषय पर निबंध लिखिये ।

इकाई-IV 4. लोकसंगीत में प्रयुक्त पारम्परिक तालों की जानकारी देते हुए कोई दो तालों को लिपिबद्ध कीजिये ।

अथवा

निम्नलिखित मात्राओं की तालों का नाम बताते हुए उन्हें लिपिबद्ध कीजियेः-

अ- 06 मात्रा की ताल ब- 08 मात्रा की ताल

स- 14 मात्रा की ताल

इकाई-V 5. **(अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजियेः-**

(i) स्वरों की संख्या ------ होती है ।
(ii) टिमकी/नगड़िया ----- वर्ग का वाद्य है ।
(iii) ताल की पहली मात्रा ----- कहलाती है ।
(iv) कहरवा ताल में -----मात्राएँ होती हैं ।
(v) सप्तक ----- प्रकार के होते हैं ।

(ब) सही/गलत बताइयेः-

(i) 'तीजनबाई' लोकगाथा विधा की कलाकार हैं ।
(ii) छत्तीसगढ़ में तबला लोकवाद्य की श्रेणी में आता है ।
(iii) राई बुन्देलखण्ड का लोकनृत्य है ।
(iv) सरहुल उराँव जाति का लोकनृत्य है ।
(v) आल्हा एक प्रकार का लोकनृत्य है ।

(स) एक शब्द में उत्तर दीजियेः-

(i) पंथी नृत्य कौन सी जाति के लोग करते हैं ?
(ii) अपने प्रदेश के किसी एक लोकनाट्य का नाम लिखिये ।
(iii) अबुझमाड़ियों के लोकनृत्य का क्या नाम है ?
(iv) चुलमाटी/मागरमाटी किस अथवा कौन से संस्कार के अन्तर्गत आता है ?
(v) छत्तीसगढ़ी लोकगीतों में संदेशवाहक पक्षी कौन सा है ?

xx

बी.ए. द्वितीयवर्ष, परीक्षा-२०१६
लोकसंगीत
प्रथम प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-75 न्यूनांक-25**

टीपः- कोई पांच प्रश्न हल कीजिये । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।

+++

इकाई-I 1. आदिम जीवन के बारे में आप क्या जानते हैं ? समझाइये ।

अथवा

आदिम संगीत पर प्रकाश डालिये ।

इकाई-II 2. छत्तीसगढ़ के 'नाचा' लोकनाट्य का वर्णन कीजिये ।

अथवा

बिहार के रंगमंच का सामान्य अध्ययन प्रस्तुत कीजिये ।

इकाई-III 3. उत्तर प्रदेश के कजरी अथवा चैती लोकगीत का निम्न बिन्दुओं के आधार पर अध्ययन कीजियेः-

अ- अवसर ब- वेशभूषा स- वाद्य

अथवा

छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधि लोकगीतों का संक्षिप्त में वर्णन कीजिये।

इकाई-IV 4. मध्यप्रदेश के बधाई अथवा करमा नृत्य का सविस्तार वर्णन कीजिये ।

अथवा

छत्तीसगढ़ के किसी एक लोकनृत्य की मान्यताओं पर प्रकाश डालिये ।

इकाई-V 5. जीवन परिचय लिखिये (कोई एक कलाकार)ः-

अ- श्री झाडूराम देवांगन

ब- देवीलाल सामर

स- श्री रामसहाय पाण्डे ।

अथवा

(अ) उचित संबंध जोड़ियेः-

(i)	शहीद वीर नारायण	- पंडवानी
(ii)	रागी	- सोना खान
(iii)	देवार	- हबीब तनवीर
(iv)	लोरिक	- रूंझू
(v)	नया थियेटर	- सूरुजबाई खाण्डे
(vi)	ढोला मारू	- राऊत
(vii)	बांस गीत	- चंदैनी

(ब) सही/गलत का निशान लगाइयेः-

(i) पद्म भूषण श्रीमती तीजन बाई पंडवानी गायिका हैं ।

(ii) भांगड़ा नृत्य चैत मास में किया जाता है ।

(iii) राऊत नृत्य कार्तिक मास से प्रारंभ होता है ।

(iv) सुआ नृत्य में ढोलक बजता है ।

(v) बैगा नृत्य का मुख्य वाद्य खंजेरी है ।

(vi) होली त्यौहार के अवसर पर नगाड़े बजाये जाते हैं ।

(vii) लांगुरिया देवी गीत है ।

(viii) काठी निमाड़ अंचल का लोकनाट्य है ।

xx

बी.ए. द्वितीयवर्ष, परीक्षा-२०१६

लोकसंगीत

द्वितीय प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-75 न्यूनांक-25**

टीपः- कोई पांच प्रश्न हल कीजिये । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।

+++

इकाई-I 1. लोकनृत्यों में शारीरिक क्रियाओं के अन्तर्गत 'थिरकन' और 'लचक' पर एक सार संक्षेप टिप्पणी लिखिये ।

अथवा

'कोई भी लोकनृत्य अपनी अद्वितीय भाव-भंगिमाओं, मुद्राओं तथा क्रियाओं से धनी होता है ।' इस कथन की पुष्टि कीजिये ।

इकाई-II 2. जन्म संस्कार के अवसर पर गाये जाने वाले गीतों का एक अध्ययन प्रस्तुत कीजिये ।

अथवा

मध्यप्रदेश के विवाह संस्कार पर गाये जाने वाले दो लोकगीतों का भावार्थ लिखिये ।

इकाई-III 3. लोकजीवन में लोककथा के महत्व को रेखांकित करते हुए उसके स्वरूप एवं प्रकार पर चर्चा कीजिये ।

अथवा

छत्तीसगढ की किसी एक लोकगाथा का विस्तार से वर्णन कीजिये ।

इकाई-IV 4. बिहार के विशेष संदर्भ में प्रमुख लोकवाद्यों की बनावट पर निबंध लिखकर उनके चित्र बनाइये ।

अथवा

दादरा या दीपचंदी के ठेकों को ठाह, दुगुन, तिगुन और चौगुन की लयकारी में लिपिबद्ध कीजिये ।

इकाई-V 5. लोकसंगीत और सुगम संगीत में जो अंतर परिलक्षित होता है, उस पर अपना विचार स्पष्ट कीजिये ।

अथवा

(अ) सही-गलत लिखियेः-

(i) सुवा नृत्य केवल स्त्रियों का नृत्य नहीं है ।

(ii) आल्हा छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध लोकगाथा है ।

(iii) कर्म देवता के स्मरण के लिए करमा नृत्य करते हैं ।

(iv) कबीरपंथी मृत्यु संस्कार के अवसर पर गीत गाते हैं ।

(v) बांसुरी मध्यप्रदेश का प्रमुख लोकवाद्य है ।

(ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजियेः-

(i) भरथरी छत्तीसगढ़ प्रदेश की ------ है ।

(ii) सरहुल लोकनृत्य में-----वाद्य प्रमुख रूप से बजाया जाता है ।

(iii) छत्तीसगढ़ का प्रमुख लोकनाट्य----- है ।

(iv) लोरिक चंदा की गाथा----- में गाई जाती है ।

(v) जन्म संस्कार के अवसर पर----गाये जाते हैं ।

xx

बी.ए. अंतिमवर्ष, परीक्षा-२०१६

लोकसंगीत

प्रथम प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-75 न्यूनांक-25**

टीपः- कोई पांच प्रश्न हल कीजिये । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।

+++

1. लोकसंगीत का सामान्य परिचय देते हुए राजस्थान के लोकसंगीत का ऐतिहासिक परिचय दीजिये ।

अथवा

लोकसंगीत के उत्पत्ति के संबंध में विभिन्न मतों का उल्लेख कीजिये ।

2. लोकगीतों को वर्गीकृत कर उदाहरण सहित समझाइये ।

अथवा

आधुनिक लोकजीवन में लोकसंगीत की महत्ता को प्रतिपादित कीजिये ।

3. "लोकनृत्यों के व्यवसायीकरण" पर सारगर्भित निबंध लिखिये ।

अथवा

"शास्त्रीय संगीत की उत्पत्ति लोकसंगीत से हुई है ।" इस कथन की पुष्टि कीजिये ।

4. पंडवानी विधा के किसी एक कलाकार का परिचय देते हुए उनका सांगीतिक योगदान बतलाइये ।

अथवा

पद्मश्री हबीब तनवीर के रंगकर्म पर प्रकाश डालते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को लिखिये ।

5. लोकगाथा को समझाते हुए चनैनी लोकगाथा पर प्रकाश डालिये ।

अथवा

(अ) सही जोड़ी बनाइयेः-

(i)	मालवा	- विदेशिया
(ii)	महाराष्ट्र	- अंकिया
(iii)	बंगाल	- तमाशा
(iv)	बिहार	- माच
(v)	असम	- जात्रा

(ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजियेः-

राजस्थान, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, असम ।

(i) लावणी -----का प्रसिद्ध लोकनृत्य है ।

(ii) भवाई नृत्य ----- से संबंधित है ।

(iii) बीहू ----का लोकनृत्य है ।

(iv) रहस ----- राज्य का लोकनाट्य है ।

(v) कालबेलिया का संबंध----- प्रदेश से है ।

(स) अतिलघुत्तरीय प्रश्नों का उत्तर लिखियेः-

(i) सुरुजबाई खाण्डे किस विधा की कलाकार हैं ?

(ii) भोजली पर्व कब मनाया जाता है ?

(iii) देवदास बंजारे का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

(iv) सुवा किस आदिम जनजाति का लोकनृत्य है ?

(v) परब नृत्य कहाँ व कब मनाया जाता है ?

xx

बी.ए. अंतिमवर्ष, परीक्षा-२०१६

लोकसंगीत

द्वितीय प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-75 न्यूनांक-25**

टीपः- कोई पांच प्रश्न हल कीजिये । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।

+++

1. 'शास्त्रीय संगीत की उत्पत्ति लोकसंगीत से हुई है ।' इस कथन की पुष्टि करते हुए उपशास्त्रीय लोकगीतों पर प्रकाश डालिये ।

अथवा

भारतीय लोकगीत दादरा एवं पूर्वी लोकगीत को लिखकर उनके रस एवं भावपक्ष को संक्षिप्त में समझाइये ।

2. आधुनिक भारतीय समाज में लोकनृत्यों एवं लोकगीतों की दशा अत्यन्त विचारणीय है । इसे बचाने के लिए क्या उपाय करने चाहिए ?

अथवा

लोकसंगीत में प्रयुक्त होने वाले दादरा एवं चाचर(दीपचंदी) ताल का परिचय देते हुए ठाह, दुगुन एवं चौगुन में लिपिबद्ध कीजिये ।

3. लोकनृत्य क्या है ? उसकी उत्पत्ति कैसे हुई ? स्पष्ट कीजिये ।

अथवा

लोकनृत्य से आप क्या समझते हैं ? एकता स्थापित करने में लोकनृत्यों की क्या भूमिका है ?

4. लोकसंगीत की संरक्षण से आप क्या समझते हैं ? लोकसंगीत संरक्षण में लोक कलाकारों की भूमिका स्पष्ट कीजिये ।

अथवा

"भारतीय लोकसंगीत के संरक्षण एवं संवर्धन" विषय पर सारगर्भित निबन्ध लिखिये ।

5. लोकनृत्य से शास्त्रीय नृत्य का जन्म कैसे हुआ ? स्पष्ट करते हुए मनोरंजन गीत क्या है, उदाहरण सहित समझाइये ।

अथवा

(अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजियेः-

(i) बनरा गीत----क्षेत्र में गाया जाता है ।

(ii) परब नृत्य में---- पाड़ होते हैं ।

(iii) सुरुजबाई खांडे---- की गायिका हैं ।

(iv) सरहुल नृत्य----जनजाति के लोग करते हैं ।

(v) कालबेलिया नृत्य----राज्य में करते हैं ।

(ब) सही जोड़ी बनाइयेः-

(i) नरसिंघा -

कर्नाटक

(ii) डफ - छत्तीसगढ़

(iii) नागास्वरम - बंगाल

(iv) दफड़ा - हरियाणा

(v) बाऊल - हिमांचल

(स) सही/गलत बताइयेः-

(i) खरगोन और मंदसौर जिले में बंजारा जाति निवास करती है ।

(ii) चटकोला एक सुषिर वाद्य है ।

(iii) मध्यप्रदेश के बघेलखण्ड में बधाई नृत्य की परंपरा है ।

(iv) छत्तीसगढ़ में यात्रा के अंतर्गत ददरिया गाने का प्रचलन है ।

(v) होली का पर्व कार्तिक माह में मनाया जाता है ।

xx

बी.ए.(ऑनर्स) प्रथमवर्ष, परीक्षा-2016

लोकसंगीत

प्रथम प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-75 न्यूनांक-27**

टीपः- कोई पांच प्रश्न हल कीजिये ।

प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।

+++

इकाई-I 1. अलंकार किसे कहते हैं ? कोई पाँच अलंकार के आरोह, अवरोह लिखिये ।

अथवा

पंजाब की लोकसंस्कृति में बैसाखी पर्व का महत्वपूर्ण स्थान है । इस कथन की पुष्टि कीजिये ।

इकाई-II 2. दादरा एवं कहरवा ताल को लिपिबद्ध कीजिये ।

अथवा

छत्तीसगढ़ में मनाये जाने वाले भोजली पर्व पर सारगर्भित लेख लिखते हुए भोजली लोकगीत लिखिये ।

इकाई-III 3. लोकगाथा किसे कहते हैं ? समझाते हुए भरथरी लोकगाथा संक्षिप्त में लिखिये ।

अथवा

अनुष्ठानिक पर्व से आप क्या समझते हैं ? छ.ग. के किसी एक अनुष्ठानिक पर्व पर लेख लिखिये ।

इकाई-IV 4. लोकनाट्य नाचा में नारी पात्र की भूमिका पर प्रकाश डालिये ।

अथवा

लोककथा की उत्पत्ति विकास को समझाते हुए कोई एक लोककथा लिखिये ।

इकाई-V 5. छत्तीसगढ़ के किसी एक लोक कलाकार का जीवन परिचय लिखते हुए लोकसंगीत के क्षेत्र में उनके योगदान को लिखिये ।

अथवा

(अ) सही/गलत लिखियेः-

(i) पद्मभूषण तीजनबाई भरथरी गायिका हैं ।

(ii) माच लोकनाट्य मालवा का है ।

(iii) करमा देवार नृत्य गोंड़ जनजाति का नृत्य है ।

(iv) श्री देवदास बंजारे पंथी नर्तक थे ।

(v) श्री चिन्तादास बंजारे चंदैनी के कलाकार थे ।

(ब) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजियेः-

(i) राऊत नर्तक ----- सिर में लगाते हैं ।

(ii) श्रीमती ऋतु वर्मा ----विधा की कलाकार है ।

(iii) करमा नृत्य में -----वाद्य बजाते हैं ।

(iv) परब नृत्य-----क्षेत्र का लोकनृत्य है ।

(v) नगाड़ा---- लोकगीत में बजाया जाता है ।

xx

बी.ए.(ऑनर्स) प्रथमवर्ष, परीक्षा-2012
लोकसंगीत
द्वितीय प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-75 न्यूनांक-27**

टीपः- कोई पांच प्रश्न हल कीजिये ।
प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।

+++

इकाई-I 1. लोकसंगीत के इतिहास का संक्षिप्त वर्णन कीजिये ।

अथवा

कोई दो लोकनृत्यों के निम्नानुसार अध्ययनः-
अ- अवसर ब- पारम्परिक वेशभूषा
स- लोकवाद्य द- प्रयुक्त लोकगीत

इकाई-II 2. अलंकार को परिभाषित करते हुए कोई दस अलंकार लिखिये ।

अथवा

दीपचंदी, कहरवा एवं खेमटा ताल कोताललिपि में लिखिये ।

इकाई-III 3. निम्नांकित लोकवाद्यों के वर्गीकरण करते हुए लोकवाद्यों का प्रयोग किस विधा के साथ किया जाता हैः-
अ- दफड़ा ब- मोहरी स- मांदर
द- नगाड़ा ।

अथवा

लोकवाद्य को परिभाषित कर अर्थ बताते हुए, लोकसंगीत में उनकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिये ।

इकाई-IV 4. पं. विष्णु नारायण भातखण्डे ताल पद्धति से क्या समझते हैं ? इस पर प्रकाश डालिये ।

अथवा

'लोकसंगीत में लोकवाद्यों का महत्व है ।' स्पष्ट करते हुए लय, ताल, ठेका, ताली, खाली, सम, मात्रा, विभाग की संक्षिप्त परिभाषा लिखिये ।(कोई तीन)

इकाई-V 5. लोकसंगीत में लोकगीत का महत्वपूर्ण स्थान है । सारगर्भित निबन्ध लिखिये ।

अथवा

(अ) सही/गलत लिखियेः-

(i) चंदैनी लोककथा है ।
(ii) सावन में दादरा गाते हैं ।
(iii) लावणी नृत्य महाराष्ट्र का है ।
(iv) मोहरी घन वाद्य है ।
(v) औरीदाना महिलाओं का आभूषण है ।
(vi) अजगोजा सुषिर वाद्य है ।
(vii) पुंग छत्तीसगढ़ का वाद्य है ।
(viii) श्री झाडूराम देवांगन वेदमती शाखा के गायक हैं ।
(ix) पद्मश्री गोविंद निर्मलकर नाचा के प्रसिद्ध कलाकार हैं ।
(x) ददरिया एक श्रृंगारिक गीत है ।

(ब) उचित संबंध बनाइयेः-

(i)	गेंडी	- चैत्र
(ii)	गोदना	- हरेली
(iii)	सोहई	- राऊत नृत्य
(iv)	खुमरी	- देवारिन
(v)	जवांरा	- देवारी (दीवाली)

xx